संपादकीय

महामारी की चुनौतियों का जीवटता से मुकाबला

बात कोरोना महामारी की कालरात्रियों और अंधदिवसों को झेलने की है। एक-दो नहीं, पूरे पन्द्रह महीनों से विश्व और उसके सर्वाधिक भीड़ भरी आबादी वाले भारत में कोरोना के रहस्यमय वायरस से उत्पन्न इस अबूझ मृत्यु झंझावात का यह त्रासद दौर चल रहा है। सबसे अधिक आबादी वाले देश चीन की बात अभी हम नहीं करते। वुहान की प्रयोगशालाओं से उत्पन्न हुआ यह वायरस, इसको आरोपित तो बहुत ने किया। चाहे विश्व सेहत संगठन ने इसे नकार दिया, लेकिन अमेरिका का खोजी विभाग और अन्य जांच-पड़ताल के सूत्र चीन को बरी करने के लिए तैयार नहीं। उधर जब दुनिया में इंग्लैंड, अमेरिका, रूस और भारत ने प्रतिरोधी टीकों का विकास कर लिया तो दुनिया भर में टीकाकरण अभियान शुरू हुआ। तब भी चीन को लेकर वही रहस्यमय चुप्पी छायी रही कि महामारी का प्रस्फुटन भी यहीं से और चीनियों ने अपना टीका ईजाद भी कर लिया।

खैर, बिना किसी राजनीतिक हड़बोंग के हम इतना तो कह सकते हैं कि जब कोविड की लहर अपने उफान पर आयी तो त्रासदियों का करुण क्रन्दन भारत ही नहीं, पूरे विश्व से सुनायी दिया है। लेकिन क्या कारण कि चीन ने चुप्पी धारण किये रखी। टीका भी उसने अपना बना लिया, लेकिन उसे लेकर वह किसी अंतर्राष्ट्रीय बाजारीकरण में उलझता नजर नहीं आया।

हां, उसकी सोची-समझी हठवादिता और शत्रुओं को छकाने की रणनीति में बड़ी से बड़ी मानवीय त्रासदियों के समय में भी कोई अन्तर नहीं आया। महामारी की दूसरी लहर का तांडव झेलता मानव समाज चाहे चीन को खलनायक कहता रहा, लेकिन इसके बावजूद वायरस ग्रस्त देशों में? इससे बचाव के टीकाकरण अभियान अथवा प्राणरक्षक दवाओं, टीकों और आक्सीजन, वेंटिलेटर जैसे चिकित्सा उपकरण जुटाने में?भागदौड़ साफ नजर आयी। फिर भी सामान्य जिंदगी, शैक्षणिक माहौल, मनोरंजन, कलात्मक अथवा पर्यटन से जीवन विस्तार लौटता नजर नहीं आया।

पिछले बरस कोरोना वायरस की पहली लहर का प्रहार भारत पर हुआ। उसने देश की अर्थव्यवस्था के बखिये उधेड़ कर रख दिये। इसका सामना देश भर में पूर्णबंदी और आंशिक पूर्णबंदी से करने की चेष्टा की गयी। लगभग छह महीनों की आर्थिक और सामाजिक पाबंदियों का नतीजा यह निकला कि देश आर्थिक प्रगति के स्थान पर रिकार्ड आर्थिक अवनति का शिकार हो गया। कहां तो दस प्रतिशत आर्थिक विकास दर को प्राप्त करके स्वतः स्फूर्त हो जाने का लक्ष्य था और कहां इस वर्ष आलम यह रहा कि देश में विकास दर शून्य से नीचे गिरकर -7.7 प्रतिशत तक चली गयी और सकल घरेलू उत्पादन 22 प्रतिशत तक घट गया।

पिछले बरस के अक्तूबर मास तक कोरोना का दुष्प्रभाव कम हो गया था लेकिन महानगरों से उखड़ा हुआ श्रम बल उसी तीव्र अंदाज से अपने गांव-घरों से वापस नहीं लौटा। पीछे रही गिनती ने बताया कि इस बहुरूपिये कोरोना का क्या भरोसा। धूर्त वायरस है। रूप बदल-बदल कर नयी लहर के रूप में?लौटता है। अभी 'सब अच्छा मान' शहरों की ओर लौटें, और फिर कोरोना लहर का नया प्रहार, आर्थिक नाकाबन्दी लौटा लाये।

पिछले साल के आखिरी दिनों में कोरोना प्रकोप का दबाव निम्नतम और देश की आर्थिक गतिविधियां फिर अपनी लय पकड़ना चाहती थीं। आंकड़ा शास्त्रियों को भारतीयों के जीवट और उनकी जिजीविषा पर भरोसा था। उन्होंने अपनी उजली भविष्यवाणियां देनी शुरू कीं कि अर्थ स्थिति सामान्य होगी, कोरोना प्रताड़ित अब जुझारू हो परिश्रम करेंगे, आर्थिक विकास अपनी अवनति को पूरा करते हुए बारह प्रतिशत विकास दर छू लेगा।

- सुरेश सेठ

उबर भारत में टेक, उत्पाद टीमों के विस्तार के लिए 250 इंजीनियरों की भर्ती करेगा

बेंगलुरू। कंपनी उबर ने अपनी बेंगलुरू और हैदराबाद स्थित टीमों के लिए लगभग 250 इंजीनियरों को नियुक्त करने की घोषणा की है। उबर कंपनी देश में अपने इंजीनियरिंग और उत्पाद कार्य के लिए परिचालन का विस्तार कर रही है।

उबर ने कहा कि उसने नई टीमों के निर्माण और मौजूदा लोगों को जोड़ने के लिए संभावित उम्मीदवारों तक पहुंचना शुरू कर दिया है, जिसमें उबर इंफ्रास्ट्रक्चर, ईट्स, मार्केटप्लेस, रिस्क एंड पेमेंट्स, उबर फॉर बिजनेस (यू4बी), मार्केटिंग और विज्ञापन प्लेटफॉर्म शामिल हैं।

इंजीनियरिंग के वरिष्ठ निदेशक मणिकंदन थंगरथनम ने कहा, हैदराबाद और बेंगलुरु में हमारी टीम महत्वपूर्ण ग्लोबल मैंटेड पर काम कर रही है और विभिन्न उद्योग नवाचारों में अग्रणी है।

दुनिया भर में अधिक लोगों की सेवा करने के लिए, हम अपनी टीमों का विस्तार कर रहे हैं। हम उज्जवल इंजीनियरिंग दिमाग की तलाश कर रहे हैं जिससे हम सामूहिक रूप से हमारे सभी वैश्विक बाजारों में गतिशीलता और वितरण चुनौतियों का समाधान कर सकें।

हायरिंग का मौजूदा दौर कंपनी के राइडर और ड्राइवर ग्रोथ, डिलीवरी, ईट्स, डिजिटल पेमेंट्स, रिस्क एंड कंप्लायंस, मार्केटप्लेस, कस्टमर ऑब्सेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर, एडटेक, डेटा, सेफ्टी और फाइनेंस टेक्नोलॉजी टीमों को मजबूत करेगा।

उबर ने कहा कि उसकी विस्तार योजनाएं गतिशीलता और वितरण को और ज्यादा सुलभ बनाने और दुनिया भर के 10,000 से अधिक शहरों में परिवहन की रीढ़ बनने के अपने दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

प्रौद्योगिकी टीमों को शहरों में सुरक्षित सवारी और वितरण को सक्षम करने के लिए प्रौद्योगिकी के निर्माण में भारी निवेश किया गया है, जिसमें मास्क-पहचान सुविधाओं को सक्षम करना और देशों में मानचित्र अपडेट करना शामिल है।

अधिक प्रभावी सामाजिक दूर करने के उपायों को सुविधाजनक बनाने के लिए, उबर के इंजीनियर कई देशों में डिजिटल भुगतान में तेजी ला रहे हैं। कंपनी मशीन लर्निंग (एमएल) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करके उबर के संचालन के कई हिस्सों को डिजिटाइज कर रही है, जिसमें ड्राइवर ऑनबोर्डिंग और डिजिटल मेनू अपलोड करना शामिल है।

इस बीच, कंपनी ने 3.65 करोड़ रुपये के मुफ्त सवारी पैकेज की घोषणा की है, जिसमें कोविड -19 की विनाशकारी दूसरी लहर के दौरान भारत की स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए जीवन रक्षक ऑक्सीजन सिलेंडर, कंस्ट्रेटर, वेंटिलेटर और अन्य महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरणों के परिवहन की सुविधा शामिल है।

फोनपे ने किया 30 करोड़ यूज़रों का आंकड़ा पार

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म फोनपे ने आज घोषणा की कि उसने 30 करोड़ पंजीकृत उपयोगकर्ताओं की उपलब्धि हासिल कर ली है। कंपनी ने मई में 12.5 करोड़ मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता (एमएयू) और 390 अरब डॉलर से अधिक की वार्षिक टीपीवी का आकंडा पार किया है। इसका मर्चेंट नेटवर्क भी पूरे भारत में तेजी से बढ़ रहा है, और अब भारत में 11,000 कस्बों और तालुकाओं में 2 करोड़ से अधिक ऑफ़लाइन व्यापारी इससे जुड़े हैं।

फोनपे ने नवंबर 2020 में 25 करोड़ पंजीकृत उपयोगकर्ताओं का आंकड़ा पार कर लिया था, और 6 महीने से भी कम समय में 5 करोड़ पंजीकृत उपयोगकर्ताओं को जोड़ा है। मार्च 21 में, फोनपे एक महीने में एक अरब से अधिक यूपीआई लेनदेन को संसाधित करने वाला बन गया, और तब से हर महीने अपने प्लेटफॉर्म पर एक अरब से अधिक यूपीआई लेनदेन कर रहा है।

हवाई मालवहन की मांग अप्रैल में 12 प्रतिशत बढ़ी

जिनेवा। हवाई मालवहन की मांग इस साल अप्रैल में कोविड-पूर्व स्तर के मुकाबले 12 प्रतिशत बढ़ गई। अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आयटा) की आज जारी रिपोर्ट में बताया गया है, कार्गो टन-किलोमीटर में हवाई माल परिवहन की वैश्विक मांग अप्रैल 2019 के मुकाबले अप्रैल 2021 में 12 प्रतिशत बढ़ गई। मार्च 2021 की तुलना में भी इसमें 7.8 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है। अगस्त 2018 के कोविड-पूर्व काल के उच्चतम स्तर से यह पांच प्रतिशत अधिक है।

आयटा ने स्पष्ट किया है कि कोविड-19 के कारण हवाई परिवहन में काफी उथल-पुथल रहा है। इस कारण अप्रैल 2020 और अप्रैल 2021 के आंकड़ों की तुलना नहीं की जा सकती है। इसलिए अप्रैल 2019 के आंकड़ों से तुलना की गई है।

इस साल अप्रैल के मजबूत आंकड़ों में सबसे अधिक योगदान उत्तरी अमेरिका की विमान सेवा कंपनियों का रहा। 12 प्रतिशत की वृद्धि में 7.5 प्रतिशत का योगदान इन्हीं का है। लातिन अमेरिका को छोड़कर अन्य सभी क्षेत्रों में आंकड़ों में वृद्धि देखी गई है।

आयटा के महानिदेशक विली वॉल्स ने कहा, हवाई परिवहन क्षेत्र में माल परिवहन अच्छी खबर बना हुआ है। कोविड-पूर्व स्तर की तुलना में मांग 12 प्रतिशत अधिक है और कंपनियों का मुनाफा काफी अधिक है। कुछ क्षेत्रों का प्रदर्शन वैश्विक औसत से अधिक है, खासकर उत्तरी अमेरिका, पश्चिम एशिया और अफ्रीका का। हालांकि हर क्षेत्र का प्रदर्शन मजबूत नहीं रहा है। उदाहरण के लिए लातीन अमेरिका में सुधार नहीं दिख रहा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मांग में वृद्धि के बावजूद यात्री उड़ानों पर प्रतिबंध के कारण मालवहन क्षमता कोविड-पूर्व स्तर की तुलना में 9.7 प्रतिशत कम रही। यात्री विमानों की बेली में उपलब्ध जगह की कमी को विमान सेवा कंपनियों ने समर्पित कार्गो विमानों का परिचालन कर पूरा किया। बेली में उपलब्ध क्षमता में अप्रैल में 38.5 प्रतिशत की कमी आई जबकि समर्पित मालवहन उड़ानों की संख्या 26.2 प्रतिशत बढ़ी।

मध्य प्रदेश में समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीदी 15 जून से

भोपाल। मध्य प्रदेश में मूंग की समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए पंजीयन शुरू कर दिया गया है और खरीदी का सिलसिला 15 जून से शुरू होगा। समर्थन मूल्य 7196 तय किया गया है। खरीदी का क्रम 90 दिन जारी रहेगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मूंग और उड़द खरीद के पंजीयन की शुरुआत करते हुए वर्चुअली संबोधन में कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीद के लिए पंजीयन शुरू किया जा रहा है। मूंग का उपार्जन 15 जून से शुरू कर दिया जाएगा। ग्रीष्म-कालीन मूंग के दामों में आ रही कमी को देखते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य सात हजार 196 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। खरीदी 90 दिन जारी रहेगी। ये निर्णय किसानों के हित के संरक्षण और कल्याण के उद्देश्य से लिए गए हैं। हमारी सरकार किसानों की सरकार है। खेती को लाभ का धंधा बनाना और किसानों की आय को दो गुना करना हमारी प्रतिबद्धता है।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है। राज्य सरकार इस दिशा में सभी प्रयास कर रही है। उत्पादन बढ़ाने, उत्पादन की लागत कम करने, किसानों को उचित मूल्य दिलाने और आपदा की स्थिति में सहायता देने जैसे कार्य राज्य सरकार द्वारा तत्परता से किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि कोरोना के कठिन काल में भी राज्य सरकार द्वारा चना, मूसर और सरसों की खरीदी 15 मार्च से शुरू करने का निर्णय लिया गया था।

'सीता' के रोल के लिए करीना की मोटी फीस से मेकर्स के छूटे पसीने

करीना कपूर भले ही आज दो बच्चों की मां हों, लेकिन एक्टिंग में वह आज भी बड़ी बड़ी एक्ट्रेस को पीछे छोड़ती हैं. करीना ने अपने करियर में कई अलग अलग तरीके की फिल्में की हैं. शादी के बाद भी लगातार एक्ट्रेस अपनी एक्टिंग की छाप छोड़ता रही हैं. हाल ही में खबर सामने आई है कि फिल्म सीता के मेकर्स ने करीना कपूर खान को साइन करने का फैसला लिया है, लेकिन अब ये नाम भी अधर में लटकता दिख रहा है.

महाकाव्य रामायण पर आधारित सीता पर एक फिल्म बनने जा रही है, इस फिल्म में सीता माता के त्याग बलिदान को दिखाया जाएगा. जब से फिल्म बनने की बात सामने आई है. फिल्म के लिए कई एक्ट्रेस के नाम सामने आए हैं, अब इस लिस्ट में करीना कपूर खान भी शामिल हो गए हैं. कहा जा रहा है कि फिल्म की कहानी आदि करीना को पसंद आई है लेकिन बात करीना की फीस पर आकर रूकती दिख रही है.

करीना कपूर ने फिल्म में सीता के रोल में के लिए12 करोड़ के आस पा की मोटी रकम मांगी है.

खबर के अनुसार करीना के पास इस समय वीरे दी वेडिंग 2 और हंसल मेहता की फिल्म है. ऐसे में इन फिल्मों से करीना को समय निकालकर ही इस फिल्म की शूटिंग भी समय से करनी होगी, इस फिल्म को करीना को 8 से 10 महीने देनेहोंगे. शायद यही कारण है कि करीना ने 10 करोड़ से भी ज्यादा की रकम मेकर्स से मांगी है. हालांकि अभी इस बात की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है कि करीना मे 12 करोड़ की रकम की मांग की है.

इससे पहले खबर आई थी कि इस फिल्म में रावण के रोल में सैफ अली खान नजर आने वाले हैं. अगर ये दोनों फिल्म के लिए हां कर देते हैं तो फैंस के लिए खुशी की बात होगी. हालांकि इससे पहले सीता के रोल के दीपिका पादुकोण का नाम लगातार सामने आता रहा है.

आज का राशिफल

मेषः- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। ईश्वर के नाम स्मरण से दिन का शुभारंभ होगा। धार्मिक कार्य और पूजा-पाठ में व्यस्त रहेंगे। गृहस्थ जीवन में आनंदमय वातावरण रहेगा।

वृषभः- आज का दिन सामान्य रहेगा। आज आपको किसी की जमानत लेने तथा पैसे की लेन-देन करने से बचना होगा। अनावश्यक खर्च की अधिकता रहेगी।

मिथुनः- आज का दिन आपके लिए लाभदायक है। नौकरी या व्यवसाय अनुकूल परिस्थितियां रहेगी और आय में वृद्धि होगी। बुजुर्ग वर्ग और मित्रों की तरफ से आपको कुछ लाभ हो सकता है।

कर्कः- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। आज आपको घर-परिवार और संतानों के मामले में आनंद और संतोष की भावना का अनुभव होगा।

सिंहः- व्यापारियों के लिए आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। वे नए आयोजनों को हाथ में ले सकेंगे। इसके अतिरिक्त आर्थिक लाभ भी प्राप्त कर सकेंगे।

कन्याः- आज का दिन सामान्य रहेगा। आज आपको बेकाबू क्रोध पर लगाम रखना होगा, अन्यथा परेशानी में पड़ सकते हैं। बदनामी और निषेधात्मक विचारों से दूर रहना हितकर रहेगा।

तुलाः- आज का दिन सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्र में आपके लिए लाभदायक साबित होगा। मौज-शौक के साधन, उत्तम आभूषण और वाहन की खरीदारी करेंगे।

वृश्चिकः- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। उदासीन वृत्ति और संदेह के बादल का आपके मन पर घिरे होने से मानसिक राहत नहीं अनुभव करेंगे।

धनुः- आज के दिन आपको किसी न किसी कारण से मन में चिंता रहेगी। विशेष रूप से संतानों और स्वास्थ्य के बारे में आप अधिक चिंतित होंगे। पेट सम्बंधी बीमारियों की शिकायत रहेगी।

मकरः- आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और आर्थिक लाभ के योग रहेंगे। कार्यभार की अधिकता भी रहेगी।

कुम्भः- कार्य सफलता, आर्थिक लाभ और भाग्यवृद्धि के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। नए कार्य की शुरुआत भी कर सकते हैं। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा।

मीनः- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। दुविधायुक्त मनःस्थिति और उलझे हुए पारिवारिक वातावरण के कारण आप परेशानी अनुभव करेंगे। निरर्थक धन खर्च होगा। विलंब से कार्य पूरा होगा।

ये जवानी है दीवानी एक्ट्रेस एवलिन शर्मा ने की शादी

पिछले दिनों अभिनेत्री यामी गौतम ने शादी कर सबको चौंका दिया। अब फिल्म ये जवानी है दीवानी से लोकप्रिय हुई अभिनेत्री एवलिन शर्मा भी सात जन्मों के बंधन में बंध गई हैं। उन्होंने दो साल बाद ऑस्ट्रेलियाई डेंटल सर्जन डॉक्टर तुषान भिंडी से शादी कर ली है। एवलिन ने सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों को यह जानकारी दी है। दोनों अपने रिश्ते को शादी का नाम देकर बेहद खुश हैं। आइए जानते हैं एवलिन ने अपने पोस्ट में क्या लिखा।

एवलिन ने तुषान संग अपनी शादी की जो तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की है, उसमें वह सफेद रंग के ब्राइडल गाउन में नजर आ रही हैं और हमेशा की तरह खूबसूरत लग रही हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा, हमेशा के लिए। एवलिन ने एक दिल वाला इमोजी भी बनाया। कोरोना महामारी के कारण एवलिन की शादी के समारोह में केवल कुछ करीबी लोग ही शामिल हुए थे। सोशल मीडिया पर फैंस उन्हें शादी की बधाई दे रहे हैं।

एवलिन ने 2019 में सगाई की थी। तुषान ने एवलिन को सिडनी के मशहूर हार्बर ब्रिज पर प्रपोज किया था। इसके लिए उन्होंने गिटारिस्ट का भी इंतजाम किया था और रोमांटिक अंदाज में एवलिन के पसंदीदा गाने के साथ घुटनों पर बैठकर उन्हें प्रपोज किया था। एवलिन को खुश करने के लिए तुषान ने एक नोट भी लिखा था।

बिग बॉस 15 के लिए मुझे अप्रोच नहीं किया गयाः भूमिका चावला

सलमान खान की फिल्म तेरे नाम से लोकप्रियता हासिल करने वाली भूमिका चावला किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। काफी समय से बड़े पर्दे से दूर रहने के बावजूद फैंस अभिनेत्री को भूल नहीं पाए हैं। हाल में खबर आई थी कि उन्हें बिग बॉस 15 के लिए अप्रोच किया गया है। अब अभिनेत्री ने खुद इस खबर का खंडन कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्हें इस शो के लिए अप्रोच नहीं किया गया है।

भूमिका ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर बिग बॉस 15 में शामिल होने की खबरों को खारिज किया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, यह सही नहीं है। मुझे बिग बॉस के लिए कोई ऑफर नहीं मिला है। अगर मुझे यह शो ऑफर भी किया जाता, तो मैं यह शो नहीं करती। मुझे बिग बॉस के पहले, दूसरे, तीसरे सीजन के साथ अन्य सीजन में भाग लेने का ऑफर मिला था। मैंने उन सभी ऑफर को ठुकरा दिया था।

हेल्दी और ग्लोइंग स्किन के लिए पालक इडली को करें ब्रेकफास्ट में शामिल

स्किन हमारी हेल्थ का आईना होती है, इसलिए हम सभी चाहते हैं कि हमारी स्किन ग्लो करे। ग्लोइंग स्किन पाने के लिए हेल्दी फूड हैबिट्स जरूरी है। तो आज हम ऐसी एक रेसिपी लेकर आए हैं जो है इसके लिए बेस्ट।

सामग्री :

इडली बैटर- 1/2 किलो, पालक- 2 किलो (कटे हुए), गाजर- 1 कप (बारीक कटा), तेल- ग्रीस करने के लिए, नमक- स्वादानुसार

विधि :

पालक को अच्छी तरह से धो लें और अच्छी तरह पानी निचोड़ लेने के बाद बारीक काट लें और दो मिनट के लिए गर्म पानी में उबाल लें फिर ठंडा होने के बाद इसे बारीक पीस लें।

एक बाउल में इडली का बैटर, पालक का पेस्ट, नमक और गाजर डालकर अच्छे से मिक्स करके बैटर बना लें।

इडली के सांचें में अच्छी तरह से तेल लगाकर ग्रीस कर लें। फिर इसमें बैटर डालकर 15-17 मिनट तक स्टीम कर लें। पालक की इडली को सांभर या नारियल की चटनी के साथ सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 105

बाएं से दाएं
1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे
1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

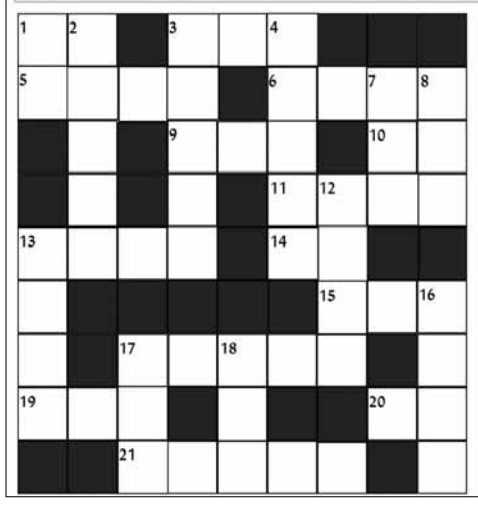

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 104 का हल

वा	स्ता	■	■	सि	स	की	■	■
जि	■	ल	प	ट	■	मा	चि	स
ब	द	ला	■	क	■	■	ल	■
■	■	ट	■	नी	ल	क	म	ल
ता	ली	■	का	■	की	■	■	हू
क	■	स	रो	का	र	■	■	लु
झां	■	ज	बा	न	■	म	सी	हा
क	च	ना	र	■	भा	र्या	■	न
■	■	र्म	■	■	ज	र	दा	■

सू-दोकू- 105

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.104 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6